गुस्ताख अब्दुल

गरीब अब्दुल की गुस्ताखी तो देखो,

गरीब अब्दुल कहता है मै बड़ा आदमी बनूंगा।

गरीब अब्दुल कहता है मै स्कूल जाऊंगा ।

गरीब अब्दुल कहता है मै भरपेट खाना खाऊँगा।

गरीब अब्दुल कहता है मै स्वतंत्र रहना चाहता हूँ।

गरीब अब्दुल कहता है मुझे रिक्शा चलाना पसंद नहीं।

गरीब अब्दुल कहता है मुझे ओवर टाईम काम पसंद नहीं।

गरीब अब्दुल कहता है मुझे बाबुओं की डांट पसन्द नहीं।

गरीब अब्दुल कहता है मुझे बेगारी पसन्द नहीं।

गरीब अब्दुल की गुस्ताखी तो देखो , गरीब होने के बावजूद इतनी मांगे रखता है।